दिनांक 22 सितम्बर से 24 सितम्बर 2016 तक जनपद लखीमपुर खीरी की भ्रमण आख्या।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– बेहजम **दिनांक 22 सितम्बर 2016**

- अस्पताल परिसर व अस्पताल में साफ–सफाई ठीक थी।
- अस्पताल परिसर में सिटीजन चार्टर एवं जे0एस0एस0के0 सुविधाएं प्रदर्शित नहीं की गई है।
- पंजीकरण के स्थान पर जे0एस0वाई0 के पर्चे निःशुल्क बनने के सम्बन्ध में जानकारी नहीं दी गई थी।
- अस्पताल में प्रतीक्षा स्थल, ए0एन0सी0, पी0एन0सी0 वार्ड मे आई0ई0सी0 की अत्यन्त कमी थी। लेबर रूम में प्रोटोकॉल (हैन्ड वॉशिंग, वेस्ट मैनेजमेन्ट, एस0बी0ए0 प्रोटोकॉल) भी नहीं लगे थे। लेबर रूम में दो टेबल थीं परन्तु दोनों के बीच पर्दा नहीं था। दोनों टेबलों पर कैलिस पैड मौजूद थे, परन्तु उनमें हवा नहीं भरी थी एवं हवा भरने वाले वाल्व भी खराब थे।

- राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम द्वारा माह अगस्त में संदर्भित किये गये बच्चों में से 16 बच्चों के चश्में बनने हेतु चश्मे के नम्बर जिले स्तर पर चश्मा बनने हेतु भेजा गया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम ए0 के पास माईक्रोप्लान नहीं था। टीम ए0 के पास इनफैन्ट वेयिंग मशीन नहीं थी, अवगत कराया गया कि मशीन टीम के एक डाक्टर जो मेडिकल अवकाश पर थे, उनके पास है वे पिछले दो माह से अवकाश पर है। टीमों के पास इन्फैन्टो मीटर, लैपटॉप तथा खिलौने इत्यादि नहीं थे। उस दिन दोनों गाड़ियां आई थी। अस्पताल में सी0एल0 रजिस्टर ठीक से मेन्टेन नहीं किया जा रहा है। टीमों द्वारा माह अगस्त में 381 बच्चे संदर्भित किये गये थे, जिनके विरूद्ध 153 ब्च्चों का ट्रीटमेन्ट दिखाया गया परन्तु रिकार्ड केवल 93 बच्चों का ही दिखया जा सका। शेष के बारे में बताया गया कि वह अस्पताल के अलग–अलग रजिस्टरों में दर्ज है। इस सम्बन्ध में निर्देशित किया गया कि

रिपोर्ट बनाते समय जो संख्या दर्शायी जाये उन सबका विस्तृत विवरण एक साथ रखा जाए।

- आर.बी.एस.के. वाहनों पर वर्ष 2015–06 में प्रेषित बैनर भी कहीं लगे हुए नहीं पाये गये।
- अस्पताल में डेन्टल हाईजिनिस्ट तैनात है। उनके द्वारा लगभग एक माह पूर्व कमरा चेन्ज किया गया है, परन्तु पर्यवेक्षण दिनांक तक बिजली का सॉकिट न लगाये जा पाने के कारण मशीन संचालित नहीं हो रही थी। दन्त ओ.पी.डी. में कोई आई0सी0 प्रदर्शित नहीं की गई थी।
- अस्पताल में जे0एस0वाई0 के भर्ती मरीजों के रिकार्ड तथा डाईट रिकार्ड का मिलान किया गया जो सही पाया गया। अधिकांश मरीजों के पास एम0सी0पी0 कार्ड उपलब्ध थे। मरीजों से जानकारी प्राप्त हुई कि उनको आयरन की गोलियां गर्भकाल के दौरान मिली थी। मरीजों को 108 व 102 की सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध हो रहीं है।
- आशाओं का 30 जून तक का मानदेय भुगतान किया जा चुका था। आगे का भुगतान फण्ड की कमी से नहीं किया जा सका था।
- जे0एस0वाई के अन्तर्गत भुगतान 14.08.2016 तक का किया जा चुका था। उस समय तक 221 लाभार्थियों के खाते न होने के कारण भुगतान नहीं हो सका था।
- कोल्ड चेन मेन्टेन थी। बुधवार को 26 जगहों पर वैक्सीन भेजी गई थी। अल्टरनेट वैक्सीन डिलीवरी प्लान उपलब्ध नहीं कराया जा सका।
- कोल्डचेन मेन्टेन था परन्तु वैक्सीन वितरण का प्लान (ए0वी0डी0) नहीं था। सभी उपकेन्द्रों पर वैक्सीन मांग के अनुसार न देकर एक समान दी जा रही थी।
- कोल्डचेन में प्रोटोकाल पोस्टर्स सभी जगह लगे पाये गये।

<u>जिला महिला चिकित्सालय लखीमपुर खीरी</u> **<u>दिनांक 22 सितम्बर 2016</u>**

- अस्पताल परिसर व अस्पताल में साफ–सफाई संतोषजनक थी।

- जे.एस.वाई. वार्ड में अत्यन्त गंदगी पाई गयी। गंदगी पर जुर्माना किये जाने सम्बन्धी सूचना थी। पर किसी को भी इस बजह से दंडित नहीं किया जाता है।
- अस्पताल परिसर में सिटीजन चार्टर एवं जे0एस0एस0के0 सुविधाएं प्रदर्शित नहीं की गई है।
- जे.एस.एस.के. के अन्तर्गत दी जाने वाली डाइट की सूचना रसोई घर के पास प्रदर्शित की गयी है। रसोई घर साफ–सुथरा पाई गयी।
- पंजीकरण के स्थान पर जे0एस0वाई0 के पर्चे निःशुल्क बनने के सम्बन्ध में जानकारी नहीं दी गई थी।
- अस्पताल में प्रतीक्षा स्थल, ए0एन0सी0, पी0एन0सी0 वार्ड मे आई0ई0सी0 की अत्यन्त कमी थी। लेबर रूम में प्रोटोकॉल (हैन्ड वॉशिंग, वेस्ट मैनेजमेन्ट, एस0बी0ए0 प्रोटो कॉल) भी नहीं लगे थे। लेबर रूम मे 07 ट्रे मौजूद थी। इन्जेक्शन विटामिन के0 उपलब्ध था। अस्पताल में जे0एस0वाई0 के भर्ती मरीजों के रिकार्ड तथा डाईट रिकार्ड का मिलान किया गया जो सही पाया गया। अधिकांश मरीजों के पास एम0सी0पी0 कार्ड उपलब्ध थे। लाभार्थियों को दवाएं निःशुल्क उपलब्ध हो रहीं थी। अस्पताल में माह अगस्त में 90 सिजेरियन किये गये थे। 14 सितम्बर 2016 तक कुल 3696 प्रसव हुए थे जिनमें से माह अगस्त में 991 प्रसव हुए थे। 195 केसेज का भुगतान शेष था, शेष का भुगतान किया जा चुका था।
- अस्पताल में 24 घण्टे रोगी सहायता केन्द्र संचालित किया जा रहा था, जहां लाभार्थियों को आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही थी। शिकायत पंजिका एवं पेटिका भी उपलब्ध थी।
- जिला महिला अस्पताल में किशोरी क्लीनिक संचालित है। यह क्लीनिक रोगी सहायता केन्द्र वाले कक्ष में ही है, जिसमें कोई प्राईवेसी नहीं है। कोई आई.सी. मटेरियल भी प्रदर्शित नहीं है। महिला काउन्सलर के पास उपकरण एवं कम्प्यूटर भी नहीं है। क्लीनिक में कोई साइन बोर्ड आदि नहीं है। अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि जल्द ही नया भवन हैण्डओवर हो रहा है जिसके पश्चात् क्लीनिक के लिए अलग कमरा दे दिया जायेगा। क्लीनिक में प्रतिदिन औसतन 15 लोगों की काउन्सलिंग की जा रही है। क्लीनिक में टेबलेट डाईसाइक्लोमीन, इ.सी.पी. एवं

परिवार नियोजन के अन्य समान उपलब्ध नहीं थे। जिला पुरूष चिकित्सालय में किशोर क्लीनिक बन्द हो चुकी थी। तथा काउन्सलर से बात नहीं की जा सकी थी।

- एस0एन0सी0यू0 में 10 बेड के स्थान पर 09 बेड है जिसमें से 07 भरे थे। फोटोथेरेपी मशीन 05 के स्थान पर केवल चार उपलब्ध है जिसमें से दो खराब है तथा दो कार्यरत थी। खराब मशीनों को ठीक कराने हेतु लखनऊ में सम्बन्धित को सूचित किया गया।
- एन.आर.सी. 10 बेड का है जिसमें 06 भरे हुए थे। बार्ड में टी0वी0 के अतिरिक्त अन्य कोई सामग्री नहीं थी। टी0वी0 के लिए भी कोई डी0वी0डी0 उपलब्ध नहीं थी। शौचालय भी गंदे थे एवं पानी नहीं आ रहा था। अवगत कराया गया कि एन.आर.सी. हेतु अनुमोदित एक स्वीपर तथा एक एम.ओ. का पद खाली है। पुरूष अस्पताल के स्वीपर से ही काम चलाया जाता है।
- जिला अस्पताल का कचरा ले जाने हेतु अभी कोई एजेन्सी चिन्हित नहीं है।
- बायोमेडिकल वेस्ट का डिस्पोजल अस्पताल परिसर में ही एक बड़े गढ्ढे में किया जा रहा है।

सी0एच0सी0 फरधान **दिनांक 23 सितम्बर 2016**

- ए0एफ0एचसी0 काउन्सलर द्वारा पंजीकरण कक्ष में मरीजों का ओ0पी0डी0 पर्चा बनाया जा रहा था। किशोरी क्लीनिक का कोई अलग कक्ष नहीं दिया गया था, जबकि अस्पताल में पहली मंजिल पर अनेकों स्थान रिक्त है। अलग क्लीनिक की स्थापना हेतु निर्देशित किया गया ।
- आर0बी0एस0के0 टीम बी0 के पास उपलब्ध माईक्रोप्लान में प्रतिदिन का भार अंकित नहीं किया गया था। टीमों के पास उपकरण बी0पी0 मशीन, इन्फेन्टोमीटर, विजन चार्ट एवं खिलौने इत्यादि नहीं थे। टीम बी के पास लॉग बुक उपलब्ध नहीं थी, बताया गया कि ऑफिस में जमा किया गया है। टीम के पास बी0पी0 मशीन एवं

इन्फेन्टोमीटर नहीं था। टीम द्वारा माह अगस्त में 1251 मरीज रिफर किये गये थे, जिसके सापेक्ष 249 का इलाज किया गया था। टीमों को लैपटॉप भी नहीं दिये गये थे।

- जनरेटर चलता नहीं पाया गया।

एफ0आर0यू0 सी0एच0सी0 गोला **दिनांक 23 सितम्बर 2016**

- सी.एच.सी. में दन्त चिकित्सक तथा डेन्टल हाईजिनिस्ट पोस्ट है। पिछले तीन वर्ष से डेन्टल चेयर खराब है जिसका रिपेयर न हो पाने के कारण उपयोग नहीं हो पा रहा है।
- वेटिंग एरिया में टी0वी0 पाया गया पर चलता हुआ नहीं था।
- सी.एच.सी. में ब्लड स्टोरेज ईकाइ नहीं है। अस्पताल में पूर्व में तीन सिजेरियन ऑपरेशन कराये गये थे, परन्तु उनमें स्पाईनल निडिल, कैटगट, रिगरलैक्टेट मरीज से बाहर से मगाये गये थे क्योकि यह सामान उपलब्ध नहीं थे। अस्पताल में व्याल एपरेटस, पल्सऑक्स आदि नहीं है।
- जनरेटर नहीं है। केवल एक छोटा जनरेटर है जो कि खराब था।
- कोल्ड चेन मेन्टन थी। बुधवार को 26 जगहों पर वैक्सीन भेजी गई थी। अल्टरनेट वैक्सीन डिलीवरी प्लान उपलब्ध नहीं कराया जा सका।
- ए.एफ.एच.सी. पुरूष क्लीनिक बहुत ही छोटे एवं शीलन भरे कमरे में संचालित है। शाईन बोर्ड नहीं लगा है। कम्प्यूटर उपलब्ध है। काउन्सलर द्वारा रिकार्ड भरा जा रहा था।
- जे.एस.वाई. वार्ड अत्यन्त छोटे कमरे में था जबकि प्रथम तल पर पर्याप्त स्थान है।
- केवल एक गायनोकोलोजिस्ट डॉ0 नूतन मल्होत्रा है जिनके द्वारा प्रतिदिन औसतन 200 मरीज देखे जाते है।
- प्रसव के बाद मरीज 48 घण्टे नहीं रूक रहे है क्योकि अस्पताल में अत्यधिक लोड है और बेड कम है।
- अस्पताल में एल.टी. न होने के कारण पैथालाजी जांचे नहीं हो पा रहीं है।

- केवल हीमोग्लोबिन व एच.आई.वी. की जांच अस्पताल में हो रहीं है।
- लेबर रूम में एक टेबल है जो ठीक दरबाजे के सामने है एवं कोई पर्दा भी नहीं लगाया गया है। एक कक्ष बगल में है जो कि बड़ा है। पर उसका उपयोग अटैच टायलेट न होने के कारण नहीं हो पा रहा है।
- आर.बी.एस.के. टीमों के पास ईन्फेन्टो मीटर, खिलौने, लैपटॉप इत्यादि नहीं है। सी.एस. रजिस्टर भी मेन्टेन नहीं किया जा रहा है। कई अवकाश आवेदन पत्र सी.एल. रजिस्टर में चढ़े नहीं थे।
- मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में एन.आर.एच.एम. का कार्य देख रहे लिपिक द्वारा रिकार्ड व्यवस्थित ढंग से नहीं रखा गया है। उनके द्वारा मांगे गये अभिलेख नहीं दिखाये जा सके।
- सी.एम.ओ. कार्यालय में आई.ई.सी गतिविधियों के रिकार्ड देखे गये। वर्ष 2015–16 में प्रेषित आई.ई.सी. बजट के उपयोग से संबन्धित कोई भी रिकार्ड लिपिक द्वारा नहीं दिखाया जा सका। केवल एक रिकार्ड होर्डिंग लगाये जाने से संबन्धित दिखाया गया जिसमें एक ही होर्डिंग को दो स्थानों पर दर्शाया गया है। आई.ई.सी गतिविधियों के क्रियानवयन हेतु प्रेषित दिशानिर्देशों का अनुपालन नहीं हो पा रहा है। टेण्डर से सम्बन्धित कोई रिकार्ड नहीं दिखाया जा सका ।
- फोक शो गतिविधियों से संबन्धित रिकार्ड भी नहीं दिखाये जा सके।
- जनपद में डी.एच.ई.ओ. नहीं है। डी.सी.पी.एम. आ.ई.सी. का नोडल है परन्तु निर्देश के वावजूद भी वह तीनों दिन अनुपस्थित था।

ब्लॉक नोडल चिकित्साधिकारी को आर.बी.एस.के. कार्यक्रम की जानकारी कम थी। जिला आर.बी.एस.के. नोडल अधिकारी को भी आर.बी.एस.के. कार्यक्रम की मुख्य–मुख्य जानकारी नहीं थी।

30.9.16
डा0 रचना सरकार
उपमहाप्रबन्धक (आई.ई.सी.)
एस.पी.एम.यू.–एन.एच.एम

30/9/16
DR UTTAM ...
Consultant - SHP ...
SPMU - NHM